# हिंदी भवन संदेश

**(हिंदी प्रचारिणी सभा का सूचना-पत्र)**

**हिंदी भवन - लोंग माउंटेन**



**वर्ष 4 अंक 9 नवम्बर 2013**

-भाषा गई तो संस्कृति गई -

**संपादक / टंकन / सज्जा : यन्तुदेव बुधु**

यन्तुदेव बुधु

## सम्पादकीय

## हिंदी की जड़ भोजपुरी है।

मॉरिशस में हिंदी भाषा की जड़ भोजपुरी है। जब हमारे पूर्वज़ गिरमिटिया मज़दूर के रूप में यहाँ आए तो उनकी भाषा व बोली भोजपुरी ही थी। आपस में वे भोजपुरी में ही वार्तालाप करते थे। दिन भर के थके ये मज़दूर शाम के समय कहीं वृक्षों के तले तो कहीं बैठकाओं में इकट्ठा होकर अपने सुख-दुख की चर्चा भोजपुरी में ही करते थे। साथ ही वे रामचरितमानस की चौपाइयाँ गाते थे। उनमें से कोई-कोई ये चौपाइयाँ भोजपुरी में समझाता था। इस प्रकार के सत्संग से ही मॉरिशस में हिंदी का प्रचार भोजपुरी के माध्यम से आरम्भ हुआ और धीरे-धीरे हिंदी भाषा का विकास होने लगा। अतः हिंदी भोजपुरी के ही माध्यम से मॉरिशस पहुँची। रामचरितमानस अवधी भाषा में है। पर वह भाषा हिंदी से एकदम मिलती-जुलती है। भोजपुरी ही हिंदी की जननी है। हमें हिंदी भाषा को अपनी भोजपुरी बोली का ही विकसित रूप मानना चाहिए।

मज़दूर गन्ने के खेतों में गोरों से कभी-कभी भोजपुरी के एक-दो शब्दों में उनके प्रश्नों के उत्तर दे देते थे। जो बच्चे बैठकाओं में हिंदी सीखने जाते थे, वे भी हिंदी के साथ मिश्रित भोजपुरी में बातें करते थे।

हमारे देश में भोजपुरी लुप्त होती दिखाई दे रही थी। लेकिन "भोजपुरी स्पीकिंग युनियन" की स्थापना से तथा रेडियो एवं टी वी पर भोजपुरी चनैल के आने से हमारी भोजपुरी फिर से साँस लेने लगी है। अतः भोजपुरी का बोलबाला फिर होने लगा है। ........*( शेष पृष्ठ 2 पर )*

## इस अंक में पढ़िए :

- स्थापना दिवस पृ -2
- कविता वाचन प्रतियोगिता पृ -2
- हिन्दी प्रचारिणी शाखा न. 3 का दौरा पृ -2
- कार्यशाला 2013 पृ -3
- हिंदी दिवस पृ -3
- ज़िलाध्यक्षों की बैठक पृ -3
- जयनारायण रॉय पृ -3
- सभा के प्रधान, मंत्री तथा पूर्व प्रधान सम्मानित पृ -4
- नैनिताल-भारत के आधारशिला के सदस्य पृ -4

## परीक्षा - सूचनाएँ

**प्रवेशिका :** शनिवार 16 नवम्बर 2013

**सम्मेलनः**

परिचय : सोमवार 16 दिसम्बर से बुधवार 18 दिसम्बर तक
प्रथमा : सोमवार 16 दिसम्बर से बुधवार 18 दिसम्बर तक
मध्यमा : सोमवार 16 दिसम्बर से गुरुवार 19 दिसम्बर तक
उत्तमा 1: सोमवार 16 दिसम्बर से बुधवार 18 दिसम्बर तक
उत्तमा 2: सोमवार 16 दिसम्बर से बुधवार 18 दिसम्बर तक
उत्तमा 3: सोमवार 16 दिसम्बर से शुक्रवार 20 दिसम्बर तक

परीक्षार्थियों से विनम्र निवेदन है कि परीक्षा की निर्धारित तिथियों से एक सप्ताह पूर्व तक अगर समय-सारिणी प्राप्त न हो तो हिंदी भवन इस फोन न. ( 2452112 ) पर सम्पर्क करें। ■

*(.....पृष्ठ 1 से शेष )*

**सम्पादकीय**

पहले भोजपुरी के ज़रिए हिंदी सीखते थे । अब बच्चे हिंदी के साथ-साथ भोजपुरी के गीत गाने लगे हैं।

आज हमारे छात्र शुद्ध हिंदी में वार्तालाप कर लेते हैं। मॉरिशसवासियों को हिंदी में बातें करते सुनकर भारतीयों को भी हम पर गर्व होता है क्योंकि हमारी हिंदी भाषा शुद्ध परिष्कृत हिंदी है। भारतीय विद्वान कहते हैं कि ऐसी हिंदी बोलने वाले भारतीय नहीं हो सकते । अर्थात वे तुरन्त पहचान जाते हैं कि ये तो मॉरिशस के ही निवासी हो सकते हैं। हमें अपनी इस परिष्कृत भाषा को बनाए रखना है । अगर हम अंग्रेज़ी के शब्दों का इस्तेमाल अपनी भाषा में करने लगेंगे तो हमारी हिंदी और भारत की हिंदी में कोई फ़र्क नहीं रहेगा। जैसे कि टी वी सिरियल के वार्तालाप में सुनते हैं : मालिक अपने कर्मचारियों से कहता है – वर्क करो वर्क, टॉक बाद में ; मैं सिक्स क्लास में स्टडी करता हूँ ; मेरा बुक बैग में है आदि-आदि। क्या यह हिंदी भाषा है ? क्या हिंदी में बात करने के लिए हिंदी शब्दों की कमी है ? इस पर हमें ज़रूर विचार करना होगा ।

मुझे आशा है कि आप छात्र गण, हिंदी प्रेमी तथा साहित्यकार गण इस बात पर ज़रूर मनन करेंगे और हमारी हिंदी की शान बनाए रखेंगे । ■

## स्थापना दिवस

15 जून 2013 को हिंदी भवन के सुरुज प्रसाद मंगर भगत सभागार में सभा का स्थापना-दिवस मनाया गया । कई सालों से हिंदी भवन के छात्रों द्वारा ही स्थापना दिवस का संचालन होता है। हर साल की तरह एक साहित्यकार पर गोष्ठी का आयोजन होता है। इस साल कवि सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला को चुना गया था।

इस वर्ष भी एक विशेष अतिथि को आमंत्रित किया गया जो कि महात्मा गांधी संस्थान के वरिष्ठ व्याख्याता विनय गुदारी जी थे। छात्रा प्रिया मंगर ने कार्यक्रम प्रस्तुत किया। बारी-बारी से छात्रों ने निराला तथा उनके साहित्य पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये ।

श्री गुदारी ने कंप्यूटर के पावर पोंइट पर निराला के जीवन की एक झाँकी प्रस्तुत की तथा छात्रों की तैयारी पर अपना विचार दिया । साथ ही उन्होंने कविता "तोड़ती पत्थर" पर एक लघु फिल्म भी प्रस्तुत की ।

श्रोताओं में उपस्थित थे – विश्व हिंदी सचिवालय के कार्यवाहक महा सचिव श्री गंगाधरसिंह सुकलाल, सभा के कार्यकारिणी सदस्य, सभा के सदस्य, हिंदी भवन के शिक्षक तथा हिंदी भवन में पढ़ने वाले छात्र ।

भारत से आई हुई शोधछात्रा श्रीमती वर्षा डिसूज़ा ने भी अपनी उपस्थिति दी तथा उन्होंने पंकज पत्रिका के एक नये अंक का लोकार्पण किया। फिर उन्होंने निराला पर दो शब्द सुनाये। वे छात्रों की तैयारी तथा उनकी हिम्मत से अति प्रसन्न हुईं। लगभग डेढ़ घंटे का यह कार्यक्रम बहुत ही रोचक रहा । ■

## कविता वाचन प्रतियोगिता 2013

इस वर्ष की कविता-वाचन प्रतियोगिता का प्रथम चरण जून महीने में हिंदी भवन-लोंग माउंटेन, मॉरिशस कालेज-क्यूर्पिप तथा मोडर्न कालेज-सेंट्रल फ्लाक में आयोजन हुआ । इस प्रतियोगिता में कुल 48 छात्रों ने भाग लिया ।

अंतिम चरण हिंदी भवन में 6 जून को 10 प्रतियोगियों ने अपनी-अपनी कविताएँ सुनायीं। प्रथम पुरस्कार कुमारी नैनिका सहाय को प्राप्त हुआ जो 3000 हज़ार रुपये का था। द्वितीय पुरस्कार 2000 रुपये गीतिशा देवी जूरावन को प्राप्त हुआ और तीसरा पुरस्कार 1000 रुपये का हकदार था सर्वेश सत्यवीर कुन्जा। बाकी प्रतियोगियों को 500 रुपये का सांत्वना पुरस्कार दिया गया । ■

## हिंदी प्रचारिणी सभा शाखा न. 3 का दौरा।

सभा के प्रधान, मंत्री तथा कोषाध्यक्ष ने 3 अगस्त 2013 को सभा की शाखा न. 3 का दौरा किया जो लालूसी रॉय गाँव में है । वहाँ 'हिंदी साहित्य भवन' नाम से एक पाठशाला चलती है और रामेश्वर रामायण मंडली सभा द्वारा संचालित है। उस दिन संस्था के 13 सदस्य उपस्थित थे। साथ में वहाँ की अध्यापिका से भी बातचीत हुई। वहाँ की समस्याओं की भी जानकारी ली गई । ■

## कार्यशाला 2013

इस वर्ष की परीक्षा में भाग लेने वाले उत्तमा तृतीय (साहित्य रत्न) के छात्रों के लिए एक एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन 6 अगस्त 2013 को हिंदी भवन में आयोजन हुआ। यह आयोजन हिंदी प्रचारिणी सभा तथा विश्व हिंदी सचिवालय के मिले-जुले सहयोग से सम्पन्न हुआ।

कार्यशाला 9.30 बजे शुरू हुई । 75 से ज़्यादा छात्रों ने उपस्थिति दी । सभा के प्रधान ने छात्रों का स्वागत किया तथा सभा के इतिहास के बारे में उन्हें जानकारी दी। प्रधान जी ने उन्हें सम्बोधित करते हुए बताया कि सभा 1926 से हिंदी भाषा का प्रचार करती आ रही है। सभा के पाठ्यक्रम के अनुसार यह उनकी पढ़ाई का अंतिम साल है। अत : हिंदी भाषा की सेवा तथा भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए उनका उत्साह भी बढ़ाया गया । सभा के मंत्री ने इस साल के दिसम्बर महीने में होने वाली साहित्य रत्न की परीक्षा के पाठ्यक्रम एवं प्रश्नपत्र पर बात की।

ब्रेक के बाद विश्व हिंदी सचिवालय के आमंत्रण पर भारत से आये हुए संचार प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञ श्री बालेन्दु दधिच ने उपस्थित छात्रों को हिंदी टंकन की विस्तृत जानकारी प्रोजेक्टर द्वारा दी । छात्र अपने लेप टोप पर बालेन्दु से टंकन सीखने का आनन्द ले रहे थे। सचिवालय के कार्यवाहक महा सचिव तथा उनके कर्मचारी गण छात्रों की सहायता में लगे थे। छात्रों को संचार प्रौद्योगिकी से संबंधित कुछ सामग्री भी सचिवालय द्वारा दी गई । उन्हें अंतरजाल पर हिंदी से संबंधित वेब साइटों की जानकारी भी दी गई।

भोजन के बाद छात्रगण फिर से बड़ी लगन के साथ हिंदी टंकन सीखने में लग गये । यह सत्र तीन बजे तक चला और छात्र इससे बहुत लाभांवित हुए । ■

## हिंदी दिवस 2013

तुलसी जयन्ती के अवसर पर हिंदी भवन के सुरुज प्रसाद मंगर भगत सभागार में 10 अगस्त 2013 को बड़ी धूमधाम से हिंदी दिवस मनाया गया। उस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. श्रीमती माधुरी रामधारी (महात्मा गांधी संस्थान की व्याख्याता) हमारे उत्सव की शोभा बढ़ा रही थी।

सभा के प्रधान जी ने अपने संदेश में तुलसी जयन्ती के अवसर पर हिंदी दिवस मनाए जाने का कारण बताया तथा यह भी कहा कि सभा में पहली बार के लिए हिंदी दिवस श्री जयनारायण रॉय के सहयोग से 1941 में मनाया गया था। हिंदी भवन विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों ने रामचरि-तमानस की कुछ चौपाइयों का गान किया ।

मुख्य अतिथि डॉ. श्रीमती माधुरी रामधारी ने अपने संदेश में तुलसीदास जी के जीवन की एक झाँकी प्रस्तुत की तथा उस ग्रंथ में पाये जानेवाले मानव मूल्यों का भी ज़िक्र किया। श्रोतागण उनके भाषण सुनकर आनन्द विभोर हो गये ।

कविता वाचन प्रतियोगिता 2013 की विजेता कुमारी नैनिका सहाय ने अपनी कविता प्रस्तुत की, जिसे सुनकर सभागार तालियों से गूँज उठा। अंत में साल 2012 में सम्मेलन की परीक्षाओं में आए दस प्रथम छात्रों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किये गये ।

## ज़िलाध्यक्षों की बैठक

शनिवार ता. 09.09.13 को दिन के दस बजे ज़िलाध्यक्षों की बैठक लगी । परीक्षा-आयोजन से संबंधित जानकारियाँ देने हेतु यह बैठक ज़रूरी थी । प्राथमिक तथा माध्यमिक परीक्षाओं के बारे में बातें हुईं तथा यह भी तय हुआ कि परीक्षा संबंधी नियमों का पालन करना चाहिए ।

उपस्थित निरीक्षकों का ध्यान प्रश्न पत्र की तैयारी, परीक्षण, उत्तर पत्रों के संशोधन तथा प्रमाण पत्र वितरण पर आकृष्ट किया गया ताकि परीक्षा से संबंधित कार्य सुचारु रूप से सम्पन्न हो । ■

## हिंदी प्रचारिणी सभा और जयनारायण रॉय।

हिंदी प्रचारिणी सभा के इतिहास में तथा मॉरिशस के हिंदी जगत में जयनरायण रॉय जी का नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाना चाहिए । हिंदी प्रचारिणी सभा में रॉय जी का बड़ा ही योगदान रहा है। हिंदी संगठन द्वारा आयोजित "हिंदी - दिवस"के अवसर पर श्री जयनारायण रॉय की हिंदी सेवा पर शेमें ग्रेनियें आर्य समाज भवन में हिंदी प्रचारिणी सभा के प्रधान ने रॉय जी के कार्यों पर प्रकाश डाला । उन्होंने यह भी बताया कि रॉय जी ने हिंदी प्रचारिणी सभा का प्रधान-पद पच्चीस सालों तक सम्भाला है। मॉरिशस में हिंदी साहित्य सम्मेलन से परीक्षाओं के आयोजन में उनका बड़ा ही सहयोग रहा है। आज तक हिंदी प्रचारिणी सभा उन्हीं परीक्षाओं का आयोजन करती आ रही है। ■

# हिंदी प्रचारिणी सभा के वर्त्तमान प्रधान, मंत्री एवं पूर्व प्रधान सम्मानित ।

प्रधान – श्री यन्तुदेव बुधु

मंत्री– श्री धनराज शम्भु

पूर्व प्रधान– श्री अजामिल माताबदल

पिछले मंगलवार ता. 15 अक्टूबर 2013 को कला एवं संस्कृति मंत्रालय के सभागार पोर्ट लुई में सभा के प्रधान श्री यन्तुदेव बुधु को नैनिताल–भारत से आए आधारशिला के निदेशक श्री दिवाकर भट्ट तथा मंत्री सुरेन दयाल जी के हाथों 'हिंदी गौरव सम्मान" प्राप्त हुआ । उसी दिन ले ग्राँ ब्ले होटल में आयोजित भारत–मॉरिशस हिंदी संगोष्ठी में हिंदी प्रचारिणी सभा के मंत्री धनराज शम्भु जी को हिंदी साहित्य के क्षेत्र में योगदान के लिए भारत से आये शब्द सेतु मंडल के प्रधान श्री हरिश नवल के हाथों सम्मान पत्र प्राप्त हुआ । सभा के पूर्व प्रधान अजामिल माताबदल जी भी हिंदी भाषा तथा साहित्य में योगदान के लिए उन्हीं के हाथों पुरस्कृत हुए । उसी दिन माताबदल जी ने संगोष्ठी के एक सत्र का अध्यक्ष पद सम्भाला था । उस अवसर पर भारत–मॉरिशस के साहित्यकारों के बीच विचार–विनिमय हुआ । यह संगोष्ठी 13 से 19 अक्टूबर तक चली थी । ■

## अंतराष्ट्रीय साहित्यिक सम्मेलन

नैनिताल, भारत से आयी हुई टोली आधारशिला में एक से बढ़कर एक साहित्यकार, पत्रकार, लेखक, कवि, समाज–सेवक, सम्पादक, दूर्दशन एवं मिडिया से संबंधित विद्वानों का स्वागत हिंदी प्रचारिणी सभा में सोमवार 14 अक्टूबर 2013 को शाम के चार बजे भवन के सभागार में आत्मीय रूप से किया गया । भारतीय प्रतिनिधि मंडल के मुख्य अधिकारी श्री दिवाकर भट्ट के नेतृत्व में 22 लोग शामिल थे । यह टोली हिंदी संगठन के आमंत्रण पर मॉरिशस आयी थी ।

उस अवसर पर सभा के प्रधान श्री यन्तुदेव बुधु ने सभा का संक्षिप्त परिचय देते हुए सभा के उद्देश्यों एवं कार्यों पर प्रकाश डाला । तत्पश्चात सभा के महामंत्री श्री धनराज शम्भु ने गोष्ठी का संचालन करते हुए कार्य को आगे बढ़ाया । उस अवसर पर हिंदी भाषा को लेकर 14 भारतीयों ने अपना–अपना आलेख पढ़ा । अन्त में हमारे देश के वरिष्ठ साहित्यकार श्री रामदेव धुरंधर ने अपना विचार दिया । धन्यवाद ज्ञापन के बाद सभा के प्रधान ने उन्हें भोजन के लिए आमंत्रित किया । ■

– धनराज शम्भु –

**सभा की ओर से सभी को नये साल 2014 की शुभकामनाएँ ।**
**हिंदी भवन – 03.11.13**